

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1040615

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : R. Rangamanju

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

20/8/24

निबंध ESSAY

केंद्र
Centre SD Education Society
Korol Bagh

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Shak

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

2. Steve Jobs moves his cursor
His technology leaves no fuss
Pablo Picasso wields his pen
Infusing life to a blank canvass
Like the masters of yesteryear
And the paragons of today
Art is technology's step brother
Over imagination they hold sway.

Venice, in Italy, is often regarded as one of the exemplars for artistic excellence. The works of Donatello, among others, leaves one in awe of

human brilliance - Not far away in Florence, a young Leonardo Da Vinci was starting his craft. Whilst his Mona Lisa is an artwork of acclaim, his capacities in the scientific realm must evoke equal adulation.

Da Vinci had studied human anatomy and the physical sciences. Volumes of material have been retrieved from his cellars showcasing a rudimentary flying contraption which back then would perhaps be considered magical. Da Vinci's life is evidence of and bears testament to the fact that technology like art is a soaring exercise of the human imagination.

Tech and Art: Co-evolution

The artistic styles present on Bhimbetka's rock art paintings betray the simplicity of its creator. They are devoid of finesse or rich colours. They merely capture central themes of ancient

man's existence. Paradoxically, his technology as well reflected simplicity.

The lithic tools made of quartz/ flint were rudimentary devices intending to gnaw/ break. They served simple ends and perhaps therefore could be considered examples of sophistry in simplicity.

It may be argued, that the matter of imagination spurring such simplicity was constant and uniform, therefore establishing human imagination to be the progenitor of all art and technology, as a limiting agent and as a limitless agent.

Much later around 5th century AD, the works of Ajanta and Ellora have magnificence nestled in every nook and corner of the canvass. Majestic blue draped in cerulean green. Crimson red besides royal yellow adding life to the parchments. The tempera style of art went hand in hand with technological

revolutions as well.

This era saw the first use of 'Arighatta' a irrigation tool. Significant achievements were made in the military sciences too, wars being fought with meticulously sculpted spears and piercing arrows. Perhaps the rationale behind co-evolution of the two is because ^{human} mind forms the agency that empowers advancements in both fields.

The twin sisters dance in sync

The Renaissance era saw the greats such as the creation of the ceiling of theistine Chapel with artistry exuding from every inch. Parallely Johann Gutenberg was revolutionising communication with ^{the} printing press.

And in today's era of silicon led revolution with communication happening instantaneously across continents, the modern art form has undergone change as well. The fusion of art and technology

can be seen in the digital art commanding millions on the market as NFTs (Non fungible Tokens), essentially revealing a technology base of Blockchain upon which the superstructure of art is overlaid.

Today is the era of unimpeded human imagination which has therefore witnessed disruption in art and tech. If art may be viewed liberally to mean works of literature, dramaturgy, cinema and paintings, we may find large scale changes in the manner they are now constructed.

Edgar Allan Poe takes artistic liberties when he makes the raven speak. "Quoth the Raven, 'Nevermore'". Similarly, He Jiankui, a Chinese doctor, genetically modifies the human genome of two HIV afflicted children, pushing the needle on what and where art and technology

draws their limits

While the era of abstract art in modern world is not for everyone's appreciation, one can argue that technology being spurred by the same creative genius confounds the average man as well.

Today's technological advancements in nuclear sciences engaging in mutually assured destruction and bio-war where microbes are weaponised to lay waste to enemy territory leaves one wondering, if the human imagination is truly soaring when it undertakes spells of such madness.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The Madness in Tech and Art

Both these analogues are variously described as the endproducts of 'genius of mad men'. Like ^{Nikolai} Tesla who endured long spells of solitude before delivering breakthroughs, much of the gallants in Art have had troubled spells

too. The creator of the "Starry Sky" would take his life, showcasing that the human mind which spurs imagination is often afflicted by muddled thoughts.

Yet the genius of madness stemming from imagination allow such trendsetting to occur. Charlie Chaplin uses ridicule to win hearts on the small screen, elevating performance arts and pioneering technique shifts in dramaturgy, while the combine of Gates and Wozniack usher in the era of internet revolution using computers. Would it not be ~~(technology)~~ human imagination that provokes the two to create?

Tech and Art: A Componential Analysis

Much of the comparisons in the two stem from the fact that there are disparate elements constituting the whole. While art must require

colours to be able to fit into one another, technology requires multiple components to be weaved into a functioning whole.

The era of semiconductors ~~have~~ has invoked acute interest in their manner of construction. Each semiconductor chip is made of innumerable microtransistors aligned in designful ways. One may wonder if this aspect of fabrication of technology ~~does not~~ fuses the art form with technological finesse.

Do the componential aspect of art and technology not resemble human imagination powered by human grey matter intricately linked by neurons forming a plexus of cortical content? Does art and science not imitate life in this example?

In consort, the two must integrate into a larger whole before serving functional needs of humanity.

The World of Art and Tech Combines

With human imagination breaking bounds, we have art and technology fusing into a single entity. The gaming industry with behemoths such as Nvidia and EA have begun to express art in technological form.

If art is a form of story telling, then gaming experiences immersing individuals in the world of make belief achieve this. Call of Duty makes one step into the ~~feet~~^{shoes} of a soldier, Assassin's Creed allows one to don white robes while pursuing justice.

Technology is at the base of this endeavour of art, and both are fuelled by human imagination. But are there instances where art and technology could not be more dislike despite being borne of the same nourishment that it imagination?

Art and Tech: Oceans Apart

While art forms are generally pursued at leisure, technology ~~does not~~ requires more of ^{the} human mind. Technological pursuits are unfashionably laborious and unforgivingly taxing on the human mind.

While Picasso may create splendour in no ~~less~~ ^{more} than a day, technological breakthroughs are time taking as evidenced by a toll in recent timelines.

Modern Medicine has not created breakthroughs at the same zest that art forms have evolved. The Paris olympics included 'break dance' as a competitive sport, an artistic expression that did not exist a few decades before.

The ability of ~~artistic~~ artists to take liberties is not seen in the sphere of technology. Moore's law says semiconductors cannot be reduced beyond a certain limit, but who imposes such

constraints on art?

Arundhati Adiga writes to the Chinese Premier in his book *The White Tiger*, where the protagonist is found confessing to his crime. Would it not be artistic liberties that allowed this, whereas technological constraints are beholden to physical laws of nature?

While one may argue that technology is surely not everyone's cup of tea, is it not natural for everyone to hold the crayon to draw streaks across the paper? Is this not a product of art itself?

But those who've faced struggles of introducing mobile phones to aging grandparents knew the difficulty that toddlers bring with technology adoption. Yet, there are more areas of convergence than divergence when art and technology are birthed from human imagination.

Artistry in technology

In the world of generative AI, every man with access to technology is an artist. 'Sora' a ChatGPT video generative production, produces videos based on a suggestion all fully created in that moment. Does this not make modern man a technology wielding artist?

The world is his canvas as he sets out to create, pushing the barriers of possibility in human imagination. One need not have an artistic bent to draw any longer, just access to the internet will suffice for in today's world, technology is art and art is technology, all from the agency of human imagination.

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

A lie can travel half way around the world while truth is putting on its shoes

One may wonder why
There's a need to lie
I utter with a sigh
The world is not cut and dry
Here morality, does not apply

A woman in her 20's, the news article announced had fallen victim to a debilitating disease. A cancer that ~~consumes~~ consumes lakhs of

innocent lives, stealing them in their heyday had taken one more, announced the news reporter. Poonam Pandey died to cervical cancer said her Instagram page, and an outpouring of grief followed. Taken in her prime, or was she?

It is soon debunked that the entire charade was orchestrated to increasing awareness of cervical cancer. But in a world where sensationalism sells, I argue, that the death gained traction faster than her own admission of taking it.

Somewhere in a hamlet in rural India, a young child introduced to internet for the first time learns of Pandey's tragic demise. He utters a word of prayer like decent human beings do when apprised of untimely passing, not knowing that his travel halfway around the world while truth is still putting on its shoes

The Scandal Sellers

Lies tend to travel faster owing to their ability to capture human imagination better. Is it not more immersing to learn of cure for cancer discovery than to know the process is time taking and scientifically rigorous.

It's this agency of a lie, the ability to commandeer rapid attention that allows lies to cross boundaries at the speed of lightening. The "scrupulous" press agents often rely on such mechanisms to paint pictures with words to sell print better. By cloaking truth with half truths, leaving more unsaid than said, they birth the half lies, that sell like hot cake. In scandals, the purveyors of moral deprivations earn their bread, because

when all is said, it's more intriguing to learn of who is dead than apply one's own head.

Incredulosity: A malady afflicting humanity

The propagation of lie across an unbroken chain frequently requires the listener to believe everything uttered without applying one's own mental faculties to the matter at hand. Humanity's incredulosity plays out time and again to shape lies.

The RBI Governor laughs when told the ₹ 2,000 note was embedded with GPS tracking chips to discourage black money hoarders. Bill Gates wonders why he would ever embed chips in vaccines, and what he could possibly do with knowledge of everyone's whereabouts. The ideas inherent to such spread of gossip are

collective failure in applying the mental faculties that God endowed man with

Technology as a tool

Often technology has created severe impediments in transmission of information despite its initial promise as emancipator. The fake news propagated on one Whatsapp group finds itself replicated a million fold within minutes.

In the span of a few hours, reputations are destroyed, lives are undone, sometimes with the hapless victim being unaware of the sequence of events. The Supreme Court referred to spread of malice by a divorcing couple where the virile ability or lack thereof was widely propagated. Even before the man could make his stand

his manhood was snatched from him. He was helpless for he could not mount a defence. The ability of technology to form echo chambers spewing venom is unprecedented and remains the foremost challenge to tackling disinformation.

Fear as motivator

The reliance on fear as egging on falsehood is underplayed in popular discourse. By tapping fears, ~~the~~ misinformation can breach boundaries because fear has already breached the plowed minds.

Sam Manekshaw recalled being summoned by then PM ^{Smt} Indira Gandhi enquiring of him if he wished to depose her by means of a coup. Mr Manekshaw downplayed the preposterous nature of the suggestion, indicating that he

wished to play no part in politics.
if the then pm. of a country could
be convinced into thinking a threat
exists to her chair, who if ever, can
be spared when fear plays a role?

The travesty of truth

The decline of morality is quite possibly the principal driver of this growing culture of lying. Where the conscience cannot intervene, and allows propagation of half baked misstatements, the very social contract upon which our society is constructed is threatened.

The social mores have possibly weakened allowing misconceptions to be channelised to create misapprehensions.

Arundhati Roy records that in this post truth world, the emotions can gain more ground than mere truth itself.

The lears dividend, as a new sociological phenomenon, understands how falsehoods can be pushed under the rug because nothing is verifiable anymore. It's a tool used by the cunning to claim no wrong doing and everything to be an outcome of fabrication.

With technology empowering easier creation of narratives through ^{deep} fakes, etc., is there really any mechanism to test veracity of the truth anymore?

The half truth, the null truth and everything but the truth

While deposing before the court to give evidence, the deponents must affirm to speak nothing but the truth while swearing on a holy book. But in an era of half baked truths running riot, who is to say what is true and what is not?

Today's markets are symbolised by beasts, bull and bear for instance to imply the market is run by animal spirits. Easy to manipulate and a lot more reactive to external impulses. Abusing this notion allows for shrewd players on the market to 'move the market' based on incorrect data.

The lie travels halfway while truth still has its shoes on, resulting in shrewd capitalists making bank at the cost of innumerable poor. Even 'bank runs' that occur under the guise that the ~~money~~ bank is illiquid leads to a rush of individuals trying to withdraw the savings. If everyone who deposited attempts to withdraw at once, even a non failing bank suffers from bank run leading to its shutting shop. May it be argued that truth could be manipulated to conform to an enabling entity's manipulation?

Truth is decided by the powerful

History often informs us of battles won, and vanquished humiliated. But what evidence exists that events played out exactly as supposed. In this understanding, of requiring full proof evidence, the very idea of ^{what} truth is laid bare.

Post modernists argue that truth is controlled by the powerful through their control over media and instruments of knowledge. Derrida refers to the rich as purveyors of all that is true. Yet he may argue, the truth is equally potent as a lie.

~~That~~

Shelf life of a lie is small

While the lie may have travelled half way around the world, and truth is still putting its shoes on, we may

concede that truth would still win the race before lie covers the full globe. Much like the Greek God of Speed, or even 'Flash' from DC conception, the ability of truth to cover the globe quickly is high.

Truth may use the same technology to assert itself with evidence once lie has covered its ground. Through associations and truth bound committees a greater prudence may be ~~exp~~ exercised before accepting lies. Because once truth is established, the lies are admonished.

Time vindicates truth

Even if falsehoods are to cover the globe, time ensures truth will eventually prevail. Time is the ultimate vindicator, because after the dust has settled truth will be found

standing supreme, while lies will
dissipate like the apparitions they are

There can be no skeletons left unexhumed,
no rock that cannot be turned over when
time eventually determines truth. Besides, as

MLK Jr said, The arc of the ^{moral} universe may
be long, but it bends towards Justice (and
truth)

While lies maybe easier to be sold
Truth while multifold,
Justice it can hold.

SPACE FOR ROUGH WORK

Technology:
 Moore's law: Silicon chips in
 semicon conductors
 Fabricator units are leading
 microprocessors in design that
 increase efficiency

Techno Art
 World of fantasy
 engage in Call of Duty
 real life mechanics

Both combine
Art / genres of men
 Tech
 aesthetic spectrum
 disorder
 art with technical art
 → Da Vinci
 → Polyzantropion

Art & Tech
 → 'Creative'
 → Artistic description
 defy rational law
 on the side
 of gain
 Tech & Art
 compare
 analysis
 integrate
 appearance
 human

Text
 where is the
 specialty?
 Edgar Allan Poe → nevermore
 Poe → nevermore
 Technology like
 inspiration
 Art limitations
 → increased
 → push the
 impossible

Technology like art is a sorry exercise of human
 inspiration
 → literature
 → dramatics
 → dance
 Walt Disney
 Pablo Picasso
 Parallel in evolⁿ: kinesthetic sophistry

evolⁿ: Rhinoceros style → technology were whisk tools
 derived from flint → fashioned.

Renaissance

Age of Stone (5 to 10)

tempera style: beyond use of paste
 red, blue, green & yellow
 mixed on mount, & spread.
 → Engraving document

Donatello

sculptures stark resemblance to human → 'David'
 ↳ the folds of the skin, stone

Printing revolution of Gutenberg →

→ Abstract art / modern art → brackets
 ↳ destruction / renewal
 ↳ electricity

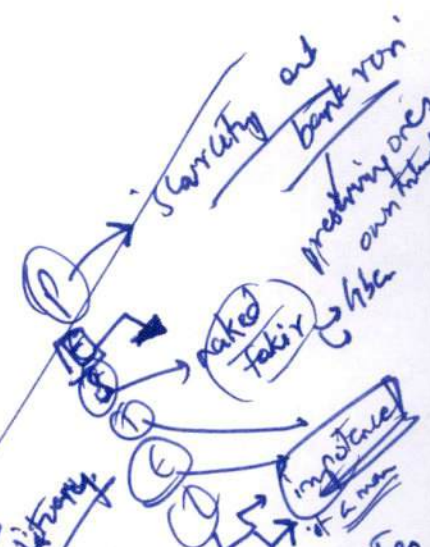
Colors wider?
 Become darker?

Conchi: Age of AI: Sora: Man is a
 technology wielding artist.

SPACE FOR ROUGH WORK

Like the masters of yesteryears
 And the persons of today
 Art is technology's step brother,
 Over human imagination than
 had any.

Pablo Picasso
 holds his pen.
 Brings life to the plane
 Infuses life to a blank parchment.
 Steve Jobs moves
 his cursor
 In his technology Steve's not so
 Sam Manekshaw
 someone by Indian
 (Gandhi)



Truism
truth

How

~~scribbled out text~~

Irreproducible

Liar's
 game theory

A lie

can travel half way around world
 before white truth is putting on shoes

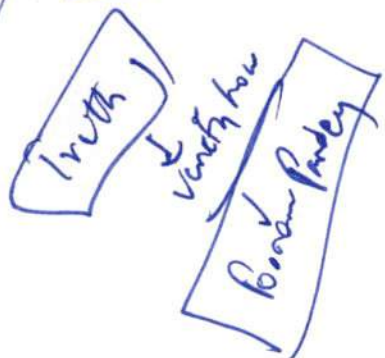
But truth doesn't
 have to go
 anywhere?
 Stand firmly
 talk with
 shoes for
 comfort

Shed
 the
 skin
 of
 a
 lie
 it
 is
 short
 &
 ugly
 &
 it
 is
 short
 &
 ugly
 &
 it
 is
 short
 &
 ugly

Why

- scandalous / gossiping bells
- incredulous human beings (except without introspection & contemplation)
- technology as tool
- decline of moral values
- WhatsApp construction

But once truth
 is established
 the lies
 are
 admonished



half truth?
 truth is written
 by
 powerful
 post modernism

Arundhati Roy
 Post truth world
 emotion sells
 white lie

Liar's divided
 fabricate everything
 full truth is
 truth & nothing
 but the truth

